अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

असाधारण साध्वीप्रमुखा श्री कनकप्रभा जी का संदेश

अर्हम्

सृष्टि संतुलन के लिए अनेक तत्त्व जिम्मेदार है। उनमें एक प्रमुख तत्त्व है धरती। धरती की सुरक्षा के लिए पर्यावरण को सुरक्षित रखना जरुरी है। धरती का अति मात्र दोहन और ऊर्वर धरती को बंजर बनाने वाली अविवेक पूर्ण प्रवृत्ति, इन दो कारणों से पर्यावरण को प्रदूषित करने में सहयोग मिल रहा है। भारत सरकार ने धरती की सुरक्षा के लिए अभियान चलाया है- ''सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त बनाएं, अपना प्यारा हिन्दुस्तान''।

जैन धर्म के सिद्धान्तों में संयम का महत्त्वपूर्ण स्थान है। मनुष्य की जीवन शैली में संयम की प्रधानता रहे तो पर्यावरण के प्रदूषण को एक सीमा तक रोका जा सकता है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल बहुमुखी, जन हितकारी प्रवृत्तियों का संचालन कर रहा है। पर्यावरण शुद्धि को बल देने के लिए प्लास्टिक के उपयोग को बन्द करने के लिए लोक जागरण का अभियान शुरू करने जा रही है। विवेक चेतना के जागरण से संयम की भावना को पुष्ट करते हुए इस अभियान को सफलता की दिशा में अग्रसर किया जा सकता है। महिलाएं परिवार की धुरी है, वे जागरूक बनेंगी तो परिवार समाज और देश में एक नई क्राति की लहर आ सकती है।

24 सितम्बर 2019
बेंगलुरू

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा